

परिवर्तनशीलता

गुरुदेव श्री श्री रवि शंकर

मानव की समस्त भौतिक इन्द्रियों की ज्ञान-ग्रहण करने की क्षमता अत्यंत सीमित और एकांगी होती है। नेत्र केवल रूप का दर्शन कराते हैं, त्वचा स्पर्श का, नासिका गंध का तथा कर्ण केवल ध्वनि का बोध कराते हैं। कोई भी एक इन्द्रिय किसी वस्तु का पूर्ण और समग्र ज्ञान प्रदान करने में सर्वथा असमर्थ होती है। इन सभी भिन्न-भिन्न आयामों को ग्रहण कर एक पूर्ण चित्र निर्मित करने वाला वास्तविक तत्त्व मन है। मन ही इन्द्रियों का अधिपति है, जिसके कारण स्वप्नावस्था में भी भौतिक इन्द्रियों की अनुपस्थिति में सर्वविध अनुभूतियाँ संभव हो पाती हैं। ज्ञान का प्राथमिक बीज इसी मन में निहित होता है। परंतु मन का भी एक मूल उद्गम है, जो परमसत्ता अथवा विशुद्ध चेतन तत्त्व है। जिस प्रकार मन में सामान्य ज्ञान का बीज है, उसी प्रकार उस परम चैतन्य में सर्वज्ञता का बीज निहित है। मानव-हृदय में स्थित इस परम चेतना में ब्रह्मांड के समस्त रहस्यों को जानने की अनंत शक्ति विद्यमान है। जब मन पूर्णतः शांत और विचार-शून्य होता है, तब इसी अंतःकरण से विशुद्ध ज्ञान अथवा अंतर्ज्ञान प्रकट होने लगता है। आधुनिक विज्ञान भी यह स्वीकार करता है कि एक सूक्ष्म कोशिका के डीएनए में संपूर्ण शरीर की विस्तृत जानकारी विद्यमान रहती है। इसी सत्य को इस रूप में जाना जाता है कि जो तत्त्व एक लघु पिंड में उपस्थित है, वही इस विशाल ब्रह्मांड में भी व्याप्त है। एक सूक्ष्मतम बिंदु में ही संपूर्ण सिंधु की अनंत संभावनाएँ अंतर्निहित होती हैं। भौतिक इन्द्रियाँ भ्रम उत्पन्न कर सकती हैं। नेत्रों को सूर्य अस्त होता हुआ प्रतीत होता है, जबकि वास्तविकता में पृथ्वी निरंतर परिक्रमा कर रही होती है। बाह्य इन्द्रियों से प्राप्त बोध अंतिम सत्य नहीं हो सकता। वातावरण में अनगिनत विचार-तरंगें और सदियों पूर्व बोले गए शब्द आकाश में तरंगों के रूप में उपस्थित रहते हैं, परंतु सीमित इन्द्रियाँ उन्हें ग्रहण नहीं कर पातीं। जो ज्ञान अंतरात्मा की गहराई से उदित होता है, वही शाश्वत और निर्भ्रांत है। यह चेतन तत्त्व काल की सीमाओं से सर्वथा मुक्त है। भूत, वर्तमान और भविष्य तीनों काल इसमें एक साथ समाहित रहते हैं। काल से परे होने के कारण ही यह चेतना शाश्वत मार्गदर्शक के रूप में प्रतिष्ठित है। इस विशुद्ध चेतन सत्ता का वाचक 'प्रणव', अर्थात् 'ओंकार' है। भौतिक दृष्टि से जो संसार अत्यंत ठोस और स्थायी प्रतीत होता है, वह निरंतर परिवर्तनशील और विलीन होने वाली अवस्था में है। शरीर के कण अनवरत बदलते रहते हैं, मानो वह एक प्रवहमान नदी हो। आमाशय की आंतरिक परत पाँच दिनों में, त्वचा एक महीने में परिवर्तित हो जाती हैं। सूक्ष्मदर्शी से देखने पर ज्ञात होता है कि शरीर का बहुत बड़ा भाग रिक्त स्थान (शून्यता) से बना है। इस सर्वव्यापी शून्यता और अनवरत परिवर्तन के मध्य केवल एक ही तत्त्व अपरिवर्तनीय और शाश्वत है। उस काल से परे और निराकार सत्ता को 'ओंकार' के नाम से अभिव्यक्त किया जाता है।

महाराष्ट्र एसआईआर में 33 फीसदी नाम कटे

याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव आयोग को जारी किया नोटिस

नयी दिल्ली (एजेंसी)। महाराष्ट्र में चल रहे एसआईआर में अनियमितताओं का सवाल उठाने वाली याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव आयोग नोटिस जारी किया है. अब इसपर 5 नवंबर को सुनवाई होगी. याचिकाकर्ता ने 6 नवंबर को अंतिम लिस्ट के प्रकाशन का हवाला देते हुए उससे पहले सुनवाई का अनुरोध किया था. सीजेआई सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाल्य बागची और जस्टिस वी. मोहना की बेंच के सामने याचिकाकर्ता ने कहा कि एसआईआर की ड्राफ्ट लिस्ट से 33 फीसदी नाम कट गए हैं. बड़ी संख्या में लोगों को तार्किक विसंगति नोटिस भेजे गए हैं. अपना नाम जोड़ने का आवेदन देने की आज आखिरी तारीख है. कोर्ट ने कहा कि अगर जरूरी होगा तो तारीख को आगे बढ़ाने पर विचार किया जाएगा.

याचिकाकर्ता अरुण आनंदगिरी की ओर से पेश हुए वरिष्ठ अधिवक्ता अरविंद पी. दातार ने बताया कि राज्य के 9 करोड़ मतदाताओं में से लगभग 3 करोड़ मतदाताओं के नाम ड्राफ्ट रोल जारी होने के बाद हटा दिए गए हैं दातार ने कहा कि चुनाव आयोग इन हटाए गए मतदाताओं से नए सिरे से पंजीकरण के लिए फॉर्म 6 भरने को



कह रहा है. उन्होंने कहा कि फॉर्म 6 पहली बार मतदान करने वालों के लिए होता है और जो लोग पहले मतदान कर चुके हैं, उनसे फॉर्म 6 भरने के लिए नहीं कहा जा सकता. अरविंद दातार ने बेंच को बताया कि बॉम्बे और पुणे में लगभग 3,500 पुनर्विकास (रीडेवलपमेंट) प्रोजेक्ट चल रहे हैं. इसके तहत पुरानी हाउसिंग कॉलोनियों को तोड़ा जा रहा है, जिससे हजारों लोगों को दूसरी जगह जाना पड़ रहा है. ऐसे में, पता और अन्य जानकारी न मिल पाने के कारण उनके नाम वोटर लिस्ट से कटने का खतरा है. उन्होंने अनुरोध किया कि जब तक कोर्ट इस मामले की सुनवाई न कर ले, तब तक वोटर लिस्ट को अंतिम रूप देने (फाइनल करने) की प्रक्रिया पर रोक लगाई जाए. हालांकि, कोर्ट ने आज समय-सीमा बढ़ाने से इनकार कर दिया, लेकिन वकील को भरोसा दिलाया कि वह जल्द ही इस मामले की सुनवाई करेगा. अगर कोर्ट को लगा कि समय बढ़ाने की जरूरत है, तो वह उचित निर्देश जारी करेगा. सीजेआई ने कहा, चिंता न करें. आप एक व्हिसलब्लोअर (मामले को सामने लाने वाले) हैं. आप हमारे पास आए हैं, इसलिए बेफिक्र रहें.

मैं अपने पति के प्यार में दीवानी हूं : रश्मिका मंदाना



मुंबई (एजेंसी)। साउथ सिनेमा की चर्चित अभिनेत्री रश्मिका मंदाना इन दिनों अपनी शादीशुदा जिंदगी को लेकर हो रही चर्चाओं से परेशान नजर आ रही हैं। अभिनेता विजय देवरकोंडा के साथ उनकी शादी और रिश्ते को लेकर सोशल मीडिया पर लगातार सवाल उठाए जा रहे हैं। हाल ही में दोनों के शो कॉफी विद करण सीजन 9 में दिए गए बयानों के बाद यह चर्चा और तेज हो गई। कुछ सोशल मीडिया यूजर्स ने दोनों के रिश्ते पर सवाल उठाए, तो कुछ ने रश्मिका को बिना मांगी सलाह देनी शुरू कर दी। अब अभिनेत्री ने एक लंबी सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए आलोचकों को जवाब दिया है। उन्होंने साफ किया कि लोग उनके रिश्ते के बारे में पूरी सच्चाई जाने बिना अपनी धारणाएं बना रहे हैं। रश्मिका ने बताया कि विजय ने शादी का फैसला लेने से पहले समय क्यों लिया, दोनों ने मिलकर अपनी जिंदगी का निर्णय कैसे किया और आखिर क्यों वह अपने रिश्ते को लेकर किसी अनजान व्यक्ति की राय से प्रभावित नहीं होना चाहतीं। इतना ही नहीं, अभिनेत्री ने अपने परिवार को इस विवाद में घसीटने वालों को भी जमकर फटकार लगाई है। रश्मिका मंदाना ने अपनी पोस्ट में कहा कि वह आमतौर पर लोगों की राय पर प्रतिक्रिया देना पसंद नहीं करतीं, क्योंकि हर व्यक्ति को अपनी बात रखने का अधिकार है। लेकिन इस बार उन्हें लगा कि लोग उनकी और विजय की बातचीत को समझने के बजाय किसी एक को गलत साबित करने में जुटे हुए हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि उनके रिश्ते की कहानी इस बात पर निर्भर नहीं करती कि किसने कितनी बार प्रपोज किया या शादी के लिए फैसला लेने में कितना समय लगा।

'छोटे मियां और बड़े मियां को घुसपैठियों से प्यार'

सीएम योगी ने अखिलेश और राहुल पर साधा निशाना, कहा- सपा और कांग्रेस ने विकास में रोड़े अटकाए

कानपुर (एजेंसी)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कानपुर में एक समारोह के दौरान अपने भाषण में कांग्रेस और समाजवादी पार्टी पर



जमकर निशाना साधा। उन्होंने अखिलेश यादव और राहुल गांधी का नाम तो नहीं लिया पर इशारों-इशारों दोनों को छोटे मियां और बड़े मियां कहते हुए सियासी हमला बोला। सीएम योगी ने कहा कि इस समय देश में दो मियां है-छोटे मियां और बड़े मियां। दोनों को घुसपैठियों से प्यार है। कानपुर बिठुर में वाल्मीकि जयंती के अवसर पर वाल्मीकि आश्रम में पूजा-अर्चना के बाद नाना राव पेशवा पार्क में 411 करोड़ रुपये की विकास परियोजनाओं का उद्घाटन किया। इसी समारोह में उन्होंने अपने संबोधन में राहुल और अखिलेश पर निशाना साधा। सीएम योगी ने कहा, भगवान राम पुष्पक विमान से लंका पर विजय प्राप्त करने के बाद अयोध्या आए। हजारों वर्षों पहले भगवान राम आए थे। हजारों वर्षों तक अयोध्या में आवागमन के लिए केवल सड़क मार्ग था वह भी टूटा-फूटा था। बिजली गायब थी। सब कुछ गायब। गंदगी रहती थी। जो कांग्रेस और समाजवादी पार्टी के संस्कार हैं गंदगी में रहने की आदत, गंदे कार्यों को करने आदत अंधेरे में डकैती डालने की जो आदत थी वही उन्होंने अयोध्या में भी किया। अयोध्या को बिजली नहीं दी। अयोध्या का विकास नहीं किया और जब भारतीय जनता पार्टी की सरकार ने अयोध्या के विकास के लिए कार्य योजना बनाई तो उन्होंने रोड़े अटकाने शुरू किए।

अयोध्या को फिर से त्रेता युग की ओर ले जायेंगे योगी

अयोध्या में राम लला के भव्य मंदिर के निर्माण के साथ-साथ अयोध्या को फिर से त्रेता युग की ओर ले कर के जाएंगे। मथुरा, वृंदावन फिर से नए भव्य और दिव्य रूप में, प्रयागराज भव्य और दिव्यमहाकुंभ के रूप में मां विंध्यवासिनी का कॉरिडोर हो, शुकतीर्थ हो, नैमिषारण्य का विकास हो, बिठूर का विकास हो, ये सभी तो आगे बढ़ेंगे ही। हमारी सरकार ने तय किया है बाबा साहब भीमराव अंबेडकर, सद्गुरु रविदास जी महाराज, भगवान महर्षि वाल्मीकि से जितने भी स्थल प्रदेश में हैं उनकी बाउंड्री वाल करना अगर ऊपर से छाजन नहीं है तो उसमें कैनोपी की व्यवस्था करके छत की व्यवस्था करना, सुरक्षा की पुख्ता व्यवस्था के साथ-साथ सुंदरीकरण करने के लिए ऐसे 4,000 स्थानों पर यह कार्य वर्तमान में प्रारंभ होने वाला है। सीएम योगी ने कहा कि जो लोग दंगाइयों के यार हों, अराजकता पैदा करना और अंधेरे में रख करके डकैती डालना जिन्होंने अपने जीवन का हिस्सा बना दिया था, पहले परिवार ही प्रदेश हो गया था, यह लोग विकास क्या कराएंगे? इस समय देश के अंदर दो मियां हैं। एक छोटे मियां, एक बड़े मियां। छोटे मियां और बड़े मियां को घुसपैठियों से बड़ा प्यार है। ये बांग्लादेशी घुसपैठियों को गले लगाते हैं और दलितों का, वंचितों का, गरीबों का, अन्नदाता किसानों का, युवाओं का ये अपमान करते हैं।

सीएम शुभेंदु ने कॉकरोच जनता पार्टी पर साधा निशाना

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने कॉकरोच जनता पार्टी पर निशाना साधा है. उन्होंने सीजेपी के विरोध-प्रदर्शन पर तंज कसते हुए लोगों से अपील की कि वे यह सुनिश्चित करें कि बंगाल में दिमागी नक्सल, टुकड़े-टुकड़े गैंग, कॉकरोच और दीमक न पनपने पाएं. पश्चिम बंगाल के नेता शुभेंदु अधिकारी ने सोमवार को पिछली टीएमसी सरकार पर तुष्टीकरण की राजनीति करने का आरोप लगाया.



उन्होंने दावा किया कि उस सरकार को राष्ट्रवाद की कोई समझ नहीं थी और वह राज्य को ग्रेटर बांग्लादेश में बदलना चाहती थी. अधिकारी ने पिछली सरकार पर राज्य के लिए एक अलग गीत बनाने, एक झंडा डिजाइन करने और पड़ोसी देश के जॉय बांग्ला नारे को अपनाने का भी आरोप लगाया. शुभेंदु ने यहां बीजेपी पार्टी कार्यालय के लिए भूमि पूजन के बाद पत्रकारों से बात करते हुए, उन्होंने कहा कि बंगाल की पिछली सरकार को राष्ट्रवाद की कोई समझ नहीं थी, वह तुष्टीकरण की राजनीति में लगी थी और राज्य को ग्रेटर बांग्लादेश में बदलने की योजना बना रही थी. उन्होंने कहा कि इसी वजह से उन्होंने राज्य के लिए एक अलग गीत बनाया, एक झंडा डिजाइन किया और बांग्लादेश के जॉय बांग्ला नारे को अपना लिया. अधिकारी ने लोगों से एकजुट रहने और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ खड़े होने की अपील की. एसआइआर प्रक्रिया में कथित अनियमितताओं को लेकर विरोध प्रदर्शन करने वालों पर निशाना साधते हुए, उन्होंने लोगों से यह सुनिश्चित करने की अपील की कि बंगाल में दिमागी नक्सल, टुकड़े-टुकड़े गैंग, कॉकरोच और दीमक न पनपें. हाल ही में शुभेंदु अधिकारी ने लोगों से रिजीम चेंज पर बात की थी. उन्होंने लोगों से पीएम मोदी को सपोर्ट करने की अपील की थी. उन्होंने कहा था, भारत में ऐसा नहीं हो सकता कि कुछ लोग अचानक राष्ट्रपति भवन या संसद में घुस जाएं.

समुद्र में भारत की नयी ताकत 'मातंगी'

बिना इंसान के 1500 किलोमीटर का सफर तय करने वाला स्वदेशी ऑटोनॉमस ड्रोन बोट

नयी दिल्ली (एजेंसी)। भारत रक्षा क्षेत्र में नेक्स्ट जेनरेशन तकनीक और स्वदेशी क्षमताओं को लगातार मजबूत



कर रहा है। इसी दिशा में स्वदेशी तकनीक से विकसित 'मातंगी' ऑटोनॉमस सरफेस वेसल भारत की समुद्री क्षमता में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। सागर डिफेंस इंजीनियरिंग द्वारा विकसित मातंगी एक ऐसा मानवरहित सतही पोत है, जो बिना किसी इंसान के सवार हुए समुद्र में लंबी दूरी तय करने में सक्षम है।

वर्ष 2024 में इसने मुंबई से तमिलनाडु के तूतीकोरिन तक लगभग 1,500 किलोमीटर की यात्रा बिना मानवीय हस्तक्षेप के पूरी की थी। मातंगी में स्वायत्त नेविगेशन और टक्कर से बचने जैसी तकनीकों का इस्तेमाल किया गया है। ऐसी प्रणालियां समुद्र में पोत की दिशा निर्धारित करने, आसपास की परिस्थितियों को समझने और सुरक्षित संचालन में मदद कर सकती हैं।

भारत की स्वदेशी रक्षा तकनीक में मानवरहित प्रणालियों के विकास की दिशा में एक अहम पहल है 'वरुणा' ड्रोन। पुणे की कंपनी सागर डिफेंस इंजीनियरिंग द्वारा विकसित यह एक पायलटलेस एरियल व्हीकल है, जिसे एक व्यक्ति को लेकर उड़ान भरने के लिए तैयार किया गया है। जुलाई 2022 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारतीय नौसेना के स्वावलंबन कार्यक्रम के दौरान वरुणा ड्रोन का प्रदर्शन देखा था। इस तकनीक ने भविष्य में मानव परिवहन के लिए मानवरहित हवाई प्लेटफॉर्म के इस्तेमाल की संभावनाओं को सामने रखा। 150 किलो तक पेलोड ले जाने की क्षमता/ वरुणा को एक व्यक्ति को हवा में ले जाने के उद्देश्य से विकसित किया गया है। सार्वजनिक रूप से उपलब्ध रिपोर्टों के अनुसार, इसकी पेलोड क्षमता लगभग 150 किलोग्राम बताई गई है। इसमें ऑटोनॉमस टेक-ऑफ और लैंडिंग जैसी क्षमताएं भी शामिल हैं। समुद्र में युद्धपोतों के बीच जरूरी सामान पहुंचाना, आपातकालीन परिस्थितियों में सहायता देना और भविष्य में मेडिकल इवैक्युएशन जैसे कार्य इस प्रकार की तकनीक के संभावित इस्तेमाल में शामिल हो सकते हैं। समुद्र में पारंपरिक परिवहन के विकल्प के तौर पर ऐसे प्लेटफॉर्म नौसेना की लॉजिस्टिक क्षमताओं को मजबूत करने में मदद कर सकते हैं।

अरुणाचल में सीमा पर तनाव को लेकर चीन ने तोड़ी चुप्पी

बीजिंग/नयी दिल्ली (एजेंसी)। चीन ने सोमवार को अरुणाचल में सीमा पर विवाद को लेकर चुप्पी तोड़ी है। उसने भारत से सीमा पर बनी सहमति लागू करने और शांति बनाए रखने की अपील की।

चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता गुओ जियाकुन ने कहा, चीन ने दोनों देशों के बीच हुए समझौतों और अहम सहमतियों का लगातार और सख्ती से पालन किया है। उन्होंने कहा, चीन सीमा पर क्षेत्रीय संप्रभुता और स्थिरता बनाए रखने के लिए नियमित गश्त और प्रबंधन से जुड़ी गतिविधियां करता है। उन्होंने चीन-भारत सीमा पर एक बार फिर आमने-सामने की स्थिति बनने की खबरों पर यह बयान दिया। भारतीय विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा था कि ऐसी घटनाएं तब होती हैं, जब चीनी सैनिक गश्त के तय तरीकों से हटकर काम करते हैं। गुओ ने कहा, चीन और भारत राजनयिक और सैन्य माध्यमों से एक-दूसरे के संपर्क में हैं। उन्होंने कहा, चीन को उम्मीद है कि भारत भी इसी दिशा में काम करेगा। दोनों देश मिलकर आपसी सहमतियों को लागू करेंगे। साथ ही, सीमा क्षेत्रों में शांति और स्थिरता बनाए रखने के लिए ठोस कदम उठाएंगे। इससे पहले, भारत के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने चीन के साथ सीमा पर आमने-सामने की स्थिति के सवाल पर कहा था, जहां तक इस मामले की खास जानकारी का सवाल है, मैं आपको रक्षा मंत्रालय से संपर्क करने के लिए कहूंगा। जैसा कि हम पहले भी बता चुके हैं, भारत-चीन सीमा क्षेत्रों में स्थिति समय-समय पर तब बिगड़ती है, जब चीनी सेनाएं गश्त के तय तरीकों का पालन नहीं करती हैं। उन्होंने आगे कहा, दोनों देश लंबित मुद्दों को सुलझाने और वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर गलतफहमी व गलत आकलन से बचने के लिए मौजूदा राजनयिक और सैन्य व्यवस्थाओं का इस्तेमाल जारी रखे हुए हैं।



अपनी रक्षा से पीछे नहीं हटेंगे : इस्माइल बघाई

तेहरान (एजेंसी)। ईरान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बघाई ने साफ स्थिति रखते हुए कहा है कि तेहरान हालात पर बारीकी से नजर रख रहा है. अपनी रक्षा करने से बिल्कुल भी पीछे नहीं हटेगा. यह बयान ऐसे वक्त आया है, जब सऊदी अरब, पाकिस्तान और तुर्की के सीनियर अधिकारी ईरान के अधिकारियों के साथ बैठक करने वाले थे.

इस्माइल बघाई ने कहा है कि हम युद्ध की स्थिति में हैं. आत्मरक्षा करने से बिल्कुल भी पीछे नहीं हटेंगे. साथ ही सेना का हौसला बढ़ाते हुए कहा है कि सशस्त्र बलों को देश की रक्षा करने में किसी तरह का संदेह नहीं है.

ईरान का इशारा है कि वह किसी भी तरह की परिस्थिति से पीछे हटने वाले नहीं हैं, उसका डटकर सामना करने को तैयार हैं.

बघाई ने अपनी बात को आगे बढ़ाते हुए कहा है कि चार देशों की इस मीटिंग में फिलिस्तीन, इजरायल और लेबनान के मुद्दों पर बातचीत होगी. उन्होंने इसे अमेरिका की आक्रमकता कहकर संबोधित किया है.

इधर, यूरोप के रुख में किसी तरह के बदलाव आने के अनुमान पर कहा है कि उन्हें पक्का नहीं पता, और हो सकता है कि यह सिर्फ एक राजनीतिक इशारा हो. बघाई ने ब्रिटेन, फ्रांस और जर्मनी पर ईरान पर होने वाले हमलों को समर्थन देने या उन्हें बढ़ावा देने का आरोप मढ़ा है.

उन्होंने प्रतिबंधों को लागू करने के मामले में इन देशों पर अमेरिका के नक्शेकदम पर चलने की बात कही है. बघाई ने यह सारी बातें अपनी वीकली प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहीं हैं. इसके अलावा बघाई ने इजरायल में होने वाले चुनावों को लेकर भी तंज कसा है.

उन्होंने कहा है कि स्ट्रेंजलव फिल्म की तरह वहां अलग-अलग गिरोह हैं. यह एक दूसरे की बुराई करने की होड़ में शामिल हैं.

दूसरे शब्दों में कहें तो अलग-अलग लोगों के बीच हत्या करने का कॉम्पीटिशन है.

आधा सेंटीमीटर से भी छोटे छेद से दूरबीन द्वारा फुल स्पाईन की हर तरह के ऑपरेशन के लिए पूर्वी भारत का पहला केन्द्र

- कोई चीरा नही
- बेहोशी की जरूरत नही
- कम खर्च / रियायती
- खून चढ़ाने की जरूरत नही
- दो घंटे में चलना, दर्द रहित
- अगले दिन छुट्टी

किंग्सवे मेडिकल सेन्टर, पटना
Mob. : 7033000109
(पी.जी. आई. चंडीगढ़ के डाक्टरों द्वारा संचालित)
देश व दुनिया के सर्वोच्च संस्थानों में कार्य अनुभव



डा. आनंद भूषण
MBBS (मणिपाल), MS ऑर्थो, राजस्थान (गोल्ड मेडल)
SRD (पी.जी.आई., चंडीगढ़)
किंग्स कॉलेज, लंदन, UK ● WWL हॉस्पीटल, राइन्टिंगटन, इंग्लैंड
हड्डी जोड़, नस, लिगामेंट एवं गठिया रोग विशेषज्ञ
स्पाईन एंडोस्कोपी व ज्वाइंट सर्जन (दूरबीन पद्धति)

अयोध्या में आवास योजनाओं के लिए जमीन अधिग्रहण को एससी में चुनौती

नयी दिल्ली (एजेंसी)। अयोध्या में आवास योजनाओं के लिए जमीन अधिग्रहण को चुनौती पर सुप्रीम कोर्ट ने फैसला सुरक्षित रख लिया है. यह याचिका श्री सरयू नगर विकास समिति नाम की संस्था ने दाखिल की है. संस्था ने जमीन अधिग्रहण में सही नियमों का पालन न किए जाने का मुद्दा उठाया है. उसका कहना है कि सही तरीके से अधिग्रहण न होने के चलते ज़मीन मालिकों को बेहतर मुआवजे और पुनर्वास जैसी सुरक्षा वंचित होना पड़ा. चीफ जस्टिस सूर्य कांत की अध्यक्षता वाली 3 जजों की बेंच के सामने चली लगभग 25 मिनट की सुनवाई के दौरान एडिशनल सॉलिसिटर जनरल ऐश्वर्या भाटी ने अधिग्रहण प्रक्रिया का बचाव किया.

उन्होंने कहा कि अयोध्या में हो रहे विकास पर दुनियाभर की निगाह है. बड़ी संख्या में लोग वहां धार्मिक यात्रा के लिए आ रहे हैं. उनके लिए होटल समेत दूसरी सुविधाएं ज़रूरी हैं.

बहस के दौरान याचिकाकर्ता की तरफ से वरिष्ठ वकील गोपाल शंकरनारायण ने कहा कि किसानों की उपजाऊ जमीन ली जा रही है. इन ज़मीनों पर एक से ज़्यादा फसलें होती हैं. किसानों को भूखा क्यों रखा जाए? सरकार को पहले अधिग्रहण के प्रभाव का सही अनुमान लगाना चाहिए.

मामला उत्तर प्रदेश आवास विकास परिषद की ओर से अयोध्या में 2020 में किए गए लगभग 450 एकड़ जमीन के अधिग्रहण से जुड़ा है. याचिकाकर्ता का कहना है कि राज्य सरकार ने 2013 के भूमि अधिग्रहण कानून की बजाय उत्तर प्रदेश आवास विकास परिषद कानून, 1965 के तहत जमीन का अधिग्रहण किया. 2013 के कानून में अधिग्रहण के असर के आकलन, मुआवजे और पुनर्वास की बेहतर व्यवस्था है. लोगों को उसका लाभ मिलना चाहिए था.इस साल अप्रैल में इलाहाबाद हाई कोर्ट की लखनऊ बेंच ने प्रथमदृष्टया याचिकाकर्ता की दलील को विचार योग्य कहा था. बेंच ने अधिग्रहण की कार्रवाई पर रोक लगाते हुए यथास्थिति बनाए रखने का आदेश दिया था.

भारतीय शांतिप्रिय होते हैं : पीयूष गोयल

यूरोप में प्रोटेस्ट पर बोले- सड़कों पर उतरकर अशांति नहीं फैलाते

नयी दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि भारतीय शांतिप्रिय होते हैं और सड़कों पर उतरकर समाज में अशांति नहीं फैलाते।

उन्होंने कहा कि विदेशों में रहने वाले भारतीय परिवार के साथ रहते हैं और उनकी देखभाल करते हैं। गोयल ने यह बात सोमवार को जर्मनी की राजधानी बर्लिन में भारतीय समुदाय के लोगों से बातचीत के दौरान कही। उनकी यह टिप्पणी ऐसे समय आई है, जब फ्रांस, इटली समेत यूरोप के कई देशों में सरकारों के खिलाफ प्रदर्शन हो रहे हैं। भारत में भी चुनाव आयोग के खिलाफ विरोध प्रदर्शन का दौर जारी है।

पीयूष गोयल ने कहा कि किसी दूसरे देश में रहने वाले समुदाय का सम्मान इस बात से भी तय होता है कि वहां के लोग उसे किस नजर से देखते हैं। भारतीय समुदाय को दूसरे देशों में काफी पसंद किया जाता है और उसका स्वागत किया जाता है। गोयल ने कहा कि दूसरे देशों के लोग जानते हैं कि भारतीय तोड़फोड़ में शामिल



नहीं होते और सड़कों पर उतरकर समाज के लिए परेशानी पैदा नहीं करते। उन्होंने यूरोप के कुछ हिस्सों में जारी प्रदर्शनों का जिक्र करते हुए कहा कि भारतीय समुदाय शांतिप्रिय है। हालांकि, उन्होंने यह भी माना कि कुछ अपवाद हो सकते हैं, जो उनके नियंत्रण से बाहर हैं। बीजेपी नेता ने विदेशों में रहने वाले भारतीयों से भारत के बच्चों के लिए नए अवसर तैयार करने में मदद करने की अपील भी की। उन्होंने कहा कि भारतीय समुदाय के लोग बच्चों को मेंटरशिप, डिजिटल ट्रेनिंग और करियर से जुड़ी सलाह देकर उनकी मदद कर सकते हैं। इससे भारत में बच्चों को आगे बढ़ने और अपने करियर के लिए बेहतर रास्ते चुनने के अवसर मिल सकते हैं। गोयल 22 से 24 अक्टूबर तक जर्मनी के आधिकारिक दौरे पर थे। इस यात्रा का मकसद भारत और जर्मनी के बीच व्यापार, निवेश और औद्योगिक सहयोग को मजबूत करना था।

यूरोप में इन दिनों महंगाई, वेतन और सार्वजनिक सेवाओं से जुड़े मुद्दों पर प्रदर्शन हो रहे हैं। फ्रांस में छात्र और युवा बढ़ती जीवन लागत, वेतन और सरकारी सेवाओं की स्थिति को लेकर सड़कों पर उतर रहे हैं। फ्रांस में प्रदर्शनों के दौरान सुरक्षा के लिए 70 हजार पुलिसकर्मियों को तैनात किया गया। इस दौरान 1,314 लोगों को गिरफ्तार किया गया, जबकि झड़पों में करीब 50 पुलिसकर्मी घायल हुए।

सरकार के खिलाफ रैलियों में करीब 4 लाख 10 हजार लोगों ने हिस्सा लिया। इन प्रदर्शनों ने सरकार के सामने कानून-व्यवस्था बनाए रखने की चुनौती खड़ी कर दी है। अलग-अलग जगहों पर प्रदर्शनकारियों और पुलिस के बीच टकराव की खबरें भी सामने आई हैं।

अब आपके शहर पटना में राम मनोहर लोहिया हास्पीटल, नई दिल्ली के 25 वर्षो के अनुभवी प्रख्यात हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ0 ए0 के ठाकुर उपलब्ध है।

HEALTHY HEART CLINIC
Dr. A. K. THAKUR
MD, DM, CARDIO (Gold Medalist)
PGI, RML Hospital, New Delhi
Visiting Consultant at
Asian City Hospital, Patna



ECG, ECHO, HOLTER, TMT, ABPM, ILR, ANGIOGRAPHY, ANGIOPLASTY, PACEMAKER ICD, CRTD इत्यादि की सुविधा उपलब्ध है।
आयुष्मान भारत योजना, मुख्यमंत्री राहत योजना एवं TPA / इंश्योरेंस से कैशलेस इलाज की व्यवस्था
Adult Vaccination Available
एम 2/36, श्रीकृष्णापुरी, मिश्रा फार्मा के बगल में, कृष्णा अपाटमेंट के सामने, बोरिंग रोड, पटना
7061824674, 7250257778